प्रज्ञा–प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

2

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

प्रज्ञा–प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

2

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, लाजपतराय मार्ग, कुरुक्षेत्र – 136118

दूरभाष : 01744 – 259941 ई – मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

विषय-सूची

पाठ सं०	पाठ शीर्षक	विधा	पृष्ठ सं०
1.	अभिलाषा	कविता	1–5
2.	गिद्ध और बिलाव	कहानी	6–13
3.	शरारतों का परिणाम	कहानी	14–20
4.	कौए की चाह	चित्र कथा	21–27
5.	माँ	कविता	28–33
6.	अनोखा वरदान	कहानी	34–40
7.	गर्म जामुन	कहानी	41–46
8.	एक रुपया	कहानी	47–51
9.	बूझो तो जानें	पहेलियाँ	52
10	माली दादा	कविता	53–58
11	गुप्त धन	कहानी	59–64
12	दीपावली	निबन्ध	65–71
13	सैर	कहानी	72–77
14	आज़ादी का जश्न देखने	कविता	78–82
15	शेर और चुहिया	चित्रात्मक कहानी	83–87
16	चतुर बालिका	कहानी	88–96
17	हँसना मना है	चुटकले	97
	• आदर्श प्रश्न पत्र – 1		98–99
	• आदर्श प्रश्न पत्र – 2		100–101

भूमिका

छात्र भैया-बहिनों के लिए प्रज्ञा-प्रवाह नामक पुस्तक-शृंखला आचार्य-वर्ग को समर्पित करते हुए मुझे आनंद का अनुभव हो रहा है। दीर्घकालीन अध्ययन-अध्यापन द्वारा प्राप्त अनुभव के आधार पर इस पुस्तक-शृंखला की रचना की गई है। हमारा प्रयास रहा है कि छात्र भैया-बहिनों के शब्द -भण्डार तथा विषय को ग्रहण करने की क्षमता का विकास हो। ऐसा प्रयास किया गया है कि पुस्तक के पाठ नकारात्मक व उत्तेजक न हों ताकि शैशव मन पर सकारात्मक प्रभाव ही पड़े। पुस्तक की रचना करते समय सरलता एवं सरसता का ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक की विशिष्टताओं का उल्लेख करना आवश्यक है-आचार्यगण अधोलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखकर शिक्षण करेंगे तो अध्यापन शैली तथा विषय-वस्तु को समझने में सरलता होगी -

क भैया - बहिनों की आयु तथा ग्रहण क्षमता को ध्यान में रखकर पाठों की रचना की गई है।

ख पाठ रचना करते समय सरलता से कठिनता तथा छात्र जो जानता है से जो नहीं जानता है की ओर बढ़ने का प्रयास किया गया है।

ग सार्थक एवं प्रेरणात्मक चित्रों का चयन किया गया है।

घ चित्रों द्वारा शब्द ज्ञान की रोचक विधा का प्रयोग किया गया है।

ड. पुस्तक को रोचक बनाने और बुद्धि व्यायाम के लिए अभ्यास दिए गए हैं।

च शैशव मन में जीवों के प्रति प्रेम भाव का संचार हो, इसे ध्यान में रखकर जीव-जंतुओं पर आधारित कविताओं व गद्य पाठों की रचना की गई है।

छ पुस्तक में खेल-खेल में दृश्य, श्रवण एवं वाचन कौशलों के विकास हेतु पर्याप्त मात्रा में सामग्री उपलब्ध है।

ज रचनात्मक अभिव्यक्ति, जीवन कौशल के विकास व जीवन-मूल्यों के विकास की पर्याप्त सामग्री दी गई है।

झ CCE की दृष्टि से समेटिव मूल्यांकन और फॉरमेटिव मूल्यांकन को इस पुस्तक की रचना का आधार बनाया गया है।

योग्यताओं से जुड़ी विविध कुशलताओं के विकास सम्बंधी अभ्यास एवं बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) दिए गए हैं।

प्रस्तुत पाठ्य-पुस्तक-शृंखला शिशु वर्ग के छात्र भैया-बहिनों के भाषा-ज्ञान को समृद्ध बनाएगी और सजग नागरिक निर्माण करने में सहयोगी होगी, इस आशा के साथ आचार्यों भैया-बहिनों को यह पुस्तक समर्पित है। आपके सुझावों से यह पुस्तक और अधिक उपयोगी बन सकेगी। इसी आशा के साथ आपके हाथों में पुस्तक समर्पित करते हुए आभार व्यक्त करती हूँ।

अनुराधा अत्री

अभिलाषा

पाठ-1

इस कविता के माध्यम से बच्चों को बताया गया है कि इच्छा कभी नहीं मरती। अगर बच्चे चाहें तो इस संसार में महान काम करके अपनी अभिलाषा को साकार कर सकते हैं।

मुझे न चाहिए खेल खिलौने,
और न खेल का कोई सामान।
बस मेरी प्रबल अभिलाषा,
करुँ देश की ऊँची शान।।

देश भक्त मैं बनूँ बोस-सा,
काँपे जो शत्रु के प्राण।
एकलव्य सा गुरुभक्त बन,
रखूँ गुरु गरिमा का मान।।

पितृ भक्त बनूँ श्रवण जैसा,
माता-पिता का रखूँ ध्यान।
भगवान की गोदी में बैठूँ,
और बनूँ मैं ध्रुव समान।।

कर्ण, बलि, शिवि सा दानी बन,
कर दूँ मैं जीवन भी दान।
स्वावलम्बी बनूँ मैं, मेरी कामना,
चाहे करना पड़े विषपान।।

अपने प्यारे महान देश का,
करता हूँ सदा गुणगान।
इच्छा है इस मातृभूमि पर,
अपने प्राण करुँ बलिदान।।

शिक्षक बच्चों को यह कविता कंठस्थ कराएँ। शुद्ध उच्चारण तथा सुर-ताल का विशेष ध्यान रखा जाए।

शब्दार्थ

प्रबल	– दृढ़	**गरिमा**	– गौरव	**विषपान**	– ज़हर पीना
अभिलाषा	– इच्छा, कामना	**मान**	– आदर, सम्मान	**सदा**	– हमेशा
सा	– जैसा	**स्वावलम्बी**	– आत्म निर्भर	**बलिदान**	– न्योछावर

अभ्यास

पाठ-ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखो।

- 'अभिलाषा ' का क्या अर्थ है?

.....

- इस कविता में बोस किसे कहा गया है?

.....

- इस कविता में आए तीन महादानियों के नाम बताइए।

.....

I यह कविता हमें क्या संदेश देती है?

.....

2. नीचे दी गई पंक्तियाँ पूरी करो –

क) मुझे न चाहिए .... का कोई
सामान। बस मेरी प्रबल ....
..... ऊँची शान।।

ख) अपने प्यारे .... सदा
गुणगान। इच्छा है इस ....
करूँ बलिदान।।

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ।

सामान – .....

देशभक्त – .....

भगवान – .....

कामना – .....

बलिदान – .....

शब्द-ज्ञान

समान अर्थ वाले शब्दों के जोड़े बनाओ और लिखो–

और	ईश्वर	और – दूसरा
अभिलाषा	हमेशा	.....
गुरु	आचार्य	.....
भगवान	दूसरा	.....
सदा	इच्छा	.....

भाषा-ज्ञान

1. पढ़ो, समझो और लिखो–

(एक)	(अनेक)	(एक)	(अनेक)
खिलौना	खिलौने	बच्चा	.....
जैसा	.....	ऊँचा	.....
ग्वाला	.....	बैठा	.....

2. जब दो वर्णों के मध्य किसी स्वर की मात्रा नहीं होती है तब वे मिलकर एक रूप हो जाते हैं। इन्हें संयुक्त वर्ण, संयुक्त अक्षर या संयुक्त व्यंजन कहा जाता है, **जैसे**–क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, च्च, त्त, आदि।

3. पढ़ो और समझो –

क् + ष = क्ष	त् + र = त्र	श् + र = श्र
	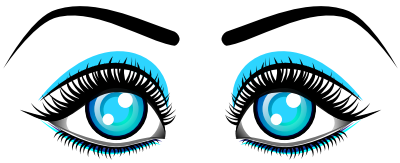	
प् + अ + क् + ष् + ई	न् + ए + त् + र् + अ	श् + र् + अ + म् + इ + क् + अ
प + क्षी = पक्षी	ने + त्र = नेत्र	श्र + मि + क = श्रमिक

खेल-खेल में नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए-

परियोजना कार्य :- क्या आपने किसी महान व्यक्ति के बारे में घर के सदस्य से सुना है? उनके विषय में कक्षाचार्य जी को बताइए।

गिद्ध और बिलाव

पाठ-2

बहुत पुरानी बात है, किसी जंगल में एक बरगद का पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत सारे पक्षी अपने-अपने परिवार के साथ रहते थे। उस पेड़ की कोटर में एक गिद्ध भी रहता था।

बूढ़ा होने के कारण गिद्ध को ठीक से दिखाई नहीं देता था। वह अपने भोजन की व्यवस्था भी नहीं कर पाता था। पेड़ पर रहने वाले पक्षी ही उसके भोजन की व्यवस्था करते थे। बदले में गिद्ध उन पक्षियों के बच्चों की रखवाली करता था।

एक दिन की बात है। दोपहर के समय जब सभी पक्षी बाहर गए हुए थे, उसी समय एक बिलाव आया। बिलाव के कदमों की आहट सुनकर गिद्ध चौंक गया और बोला, "कौन आया है?"

गिद्ध की आवाज सुनकर बिलाव डर गया और सोचने लगा, 'यदि मैं अपना परिचय देता हूँ तो गिद्ध यहाँ से मुझे भागने भी नहीं देगा और मार डालेगा।' कुछ देर सोचने के बाद

बिलाव बोला – "मैं बिलाव हूँ।"

गिद्ध चिल्लाया, "तू यहाँ क्या करने आया है? यहाँ से जल्दी भाग जा अन्यथा मैं तुझे मार डालूँगा ।" बिलाव ने कहा, "मेरे सभी दोस्त आपकी बहुत प्रशंसा करते हैं। वे सभी कहते हैं, "आप बहुत बड़े धर्मात्मा तथा विद्वान हैं।" मैं आपके पास रहकर धर्म का

पालन करते हुए ज्ञान प्राप्त करना चाहता हूँ। यदि आप मुझे अपने पास रहने की अनुमति दे दें, तो मेरा जीवन सफल हो जाएगा।"

गिद्ध उस बिलाव की चिकनी-चुपड़ी बातों में आ गया। उसने बिलाव को वहाँ रहने की अनुमति दे दी। बिलाव गिद्ध के साथ रहने लगा। बिलाव प्रतिदिन

चुपके से पक्षियों के बच्चों को पकड़कर कोटर में ले जाता और खा जाता। इस तरह बिलाव ने पक्षियों के बहुत सारे बच्चे खा लिए। दृष्टि कमज़ोर होने के कारण गिद्ध को बिलाव की दुष्टता का पता ही नहीं चला।

बच्चों की संख्या कम होती देखकर पक्षियों को चिंता होने लगी। उन्होंने आपस में बैठकर विचार किया कि उनके बच्चों को कोई खा रहा है।

बिलाव को पक्षियों की इस बात का पता चल गया। वह पेड़ का कोटर छोड़कर भाग गया। पक्षियों ने पेड़ की कोटर में आकर देखा—उन्हें वहाँ बच्चों की हड्डियाँ व पंख मिले। पेड़ की कोटर में गिद्ध रहता था, इसलिए उनका शक गिद्ध पर गया। उन्होंने मिलकर गिद्ध को मार डाला। दुष्ट बिलाव पर विश्वास करने के कारण निर्दोष गिद्ध मारा गया।

शिक्षा – दुष्ट प्रकृति वाले पर कभी विश्वास नहीं करना चाहिए।

शिक्षक इस पाठ को कक्षा में पढ़कर सुनाएँ। तत्पश्चात् अन्य बच्चों से इस पाठ को कक्षा में सुनाने के लिए कहें।

शब्दार्थ

बरगद – बड़ का पेड़, वट-वृक्ष

बिलाव – बिल्ली

अनुमति – आज्ञा, सहमति

निर्दोष – निरपराध, बिना दोष का

कोटर – पेड़ का खोखला भाग

धर्मात्मा – बहुत नेक और भला

दुष्ट – बुरा

प्रकृति – स्वभाव

चिकनी-चुपड़ी बातें – ऐसी बातें जो होती तो गलत हैं परन्तु बड़ी अच्छी लगती हैं।

अभ्यास

पाठ-ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखो।

क) पेड़ की कोटर में कौन रहता था?

.....

ख) बिलाव ने गिद्ध की तारीफ़ में क्या कहा?

.....

ग) बिलाव को पक्षियों की किस बात का पता चल गया?

.....

घ) पक्षियों का शक गिद्ध पर क्यों गया?

.....

ड.) पक्षियों ने गिद्ध को क्यों मारा ?

.....

2. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

[कम, बिलाव, गिद्ध, विश्वास, बच्चे]

क) पेड़ की कोटर में एक ..... रहता था।

ख) गिद्ध की आवाज़ सुनकर ..... डर गया।

ग) बिलाव ने पक्षियों के बहुत सारे ..... खा लिए।

घ) बच्चों की ..... संख्या को देखकर पक्षियों को चिंता होने लगी।

ड.) दुष्ट बिलाव पर ..... करने के कारण निर्दोष गिद्ध मारा गया।

3. सही विकल्प पर (✓) चिह्न लगाइए :-

क) जंगल में कौन सा पेड़ था ?

पीपल का ☐ नीम का ☐ बरगद का ☐

ख) पेड़ की कोटर में कौन रहता था ?

चील ☐ गिद्ध ☐ बिलाव ☐

ग) गिद्ध के भोजन की व्यवस्था कौन करते थे ?

पक्षी ☐ बिलाव ☐ साँप ☐

घ) गिद्ध किसके कदमों की आहट सुनकर चौंक गया ?

शेर की ☐ बिलाव की ☐ हाथी की ☐

ड.) बिलाव प्रतिदिन किसके बच्चों को पकड़कर कोटर में ले जाकर खा जाता था?

पक्षियों के ☐ गिद्धों के ☐ कौओं के ☐

शब्द-ज्ञान

शुद्ध शब्द पर (✓) चिह्न लगाओ :-

पीपल	☐	पिपल	☐
निशानी	☐	निसानी	☐
अवाज़	☐	आवाज़	☐
विश्वास	☐	विशवास	☐

भाषा-ज्ञान

1. वर्ण पर आ की मात्रा (ा) लगाकर सही बनाकर लिखो।

अनर –	.....	अकाश –	.....
परय –	.....	अम –	.....
टमटर –	.....	संतर –	.....

2. शब्द बनाओ –

भ् + आ + ल् + ऊ = भालू

न् + इ + य् + अ + म् + अ = ...

ट् + अ + म् + आ + ट् + अ + र् + अ = ...

त् + अ + र् + अ + ब् + ऊ + ज् + अ = ...

3. किसी भी व्यक्ति के नाम को संज्ञा कहते हैं, जैसे – राम, नेहा, अमन आदि ।

अपना नाम लिख दीजिए .....

4. सही ढंग से वाक्य बनाओ।

वाक्य के अंत में पूर्ण विराम (।) लगाना न भूलें।

उदाहरण :–

क) चल तेज़ रही है हवा

हवा तेज़ चल रही है।

ख) बंदर बैठा है पेड़ पर

.....

ग) प्यार मुझे माँ करती है

.....

घ) आसमान में है उड़ रही पतंग

.....

खेल-खेल में: बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करिए और उसमें रंग भरिए।